राजस्थान के 10 संभाग - संपूर्ण प्रशासनिक विवरण 2025

अपडेट (2025): *यह डेटा राजस्थान सरकार की अगस्त 2023 की आधिकारिक अधिसूचना और वर्तमान प्रशासनिक व्यवस्था (Revenue Board of Rajasthan) पर आधारित है।*

राजस्थान में वर्तमान में (2025 तक) **10 संभाग (Divisions)** और **50 जिले (Districts)** हैं। पूर्व में राज्य में 7 संभाग और 33 जिले थे, लेकिन प्रशासनिक पुनर्गठन के बाद 3 नए संभाग (सीकर, पाली, बांसवाड़ा) और 19 नए जिले अस्तित्व में आए हैं।

देश की प्रशासनिक व्यवस्था को सुनियोजित और कुशल बनाने हेतु पूरे देश को विभिन्न राज्यों में विभाजित किया गया है। इसके उपरांत, प्रत्येक राज्य को जिलों में बाँटा गया है। राजस्थान राज्य में, राज्य और जिलों के बीच एक और प्रशासनिक इकाई होती है जिसे **'संभाग'** कहा जाता है। एक संभाग का प्रमुख 'संभागीय आयुक्त' (Divisional Commissioner) होता है।

> **महत्वपूर्ण परिवर्तन:** जयपुर संभाग से अलग होकर **सीकर**, जोधपुर से अलग होकर **पाली** और उदयपुर से अलग होकर **बांसवाड़ा** को नया संभाग बनाया गया है।

राजस्थान के 10 संभाग और उनके जिले (Updated List 2025)

नीचे वर्तमान 10 संभागों और उनके अंतर्गत आने वाले 50 जिलों की अद्यतन सूची दी गई है:

क्र.सं.	संभाग का नाम	जिलों की संख्या	अंतर्गत आने वाले जिले
1	**जयपुर**	7	जयपुर, जयपुर (ग्रामीण), दूदू, कोटपूतली-बहरोड़, दौसा, खैरथल-तिजारा, अलवर
2	**सीकर (नया)**	4	सीकर, झुंझुनूं, नीम का थाना, चूरू
3	**बीकानेर**	4	बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, अनूपगढ़

क्र.सं.	संभाग का नाम	जिलों की संख्या	अंतर्गत आने वाले जिले
4	**अजमेर**	7	अजमेर, ब्यावर, केकड़ी, टोंक, नागौर, डीडवाना-कुचामन, शाहपुरा
5	**भरतपुर**	6	भरतपुर, धौलपुर, करौली, डीग, गंगापुर सिटी, सवाई माधोपुर
6	**कोटा**	4	कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़ (कोई बदलाव नहीं)
7	**जोधपुर**	6	जोधपुर, जोधपुर (ग्रामीण), फलोदी, जैसलमेर, बाड़मेर, बालोतरा
8	**पाली (नया)**	4	पाली, जालोर, सांचौर, सिरोही
9	**उदयपुर**	5	उदयपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, राजसमंद, सलूंबर
10	**बांसवाड़ा (नया)**	3	बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़

राजस्थान के संभागीय पुनर्गठन की पृष्ठभूमि (इतिहास)

राजस्थान में संभागीय व्यवस्था की स्थापना का उद्देश्य राज्य प्रशासन को अधिक सुसंगठित और क्षेत्रीय विकास के अनुकूल बनाना था।

- **1949:** हीरालाल शास्त्री सरकार द्वारा संभागीय व्यवस्था की शुरुआत की गई। यह आधुनिक राजस्थान के प्रशासनिक विकास की एक उल्लेखनीय पहल थी।
- **अप्रैल 1962:** मोहनलाल सुखाड़िया सरकार द्वारा इस व्यवस्था को बंद कर दिया गया।
- **15 जनवरी 1987:** हरिदेव जोशी सरकार ने पुनः संभागीय ढांचे को सक्रिय किया और **अजमेर** को छठा (6th) संभाग घोषित किया।
- **4 जून 2005:** वसुंधरा राजे सरकार द्वारा **भरतपुर** को सातवें (7th) संभाग के रूप में मान्यता दी गई।
- **अगस्त 2023:** अशोक गहलोत सरकार द्वारा 19 नए जिले और 3 नए संभाग (सीकर, पाली, बांसवाड़ा) की अधिसूचना जारी की गई।

महत्त्वपूर्ण बिंदु (Exam Facts 2025)

- **कुल संभाग:** 10
- **कुल जिले:** 50
- **सबसे अधिक जिलों वाले संभाग:** जयपुर और अजमेर (7-7 जिले)।
- **सबसे कम जिलों वाला संभाग:** बांसवाड़ा (मात्र 3 जिले)।
- **क्षेत्रफल में सबसे बड़ा संभाग:** जोधपुर।
- **नया संभाग 'बांसवाड़ा':** इसे आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के विशेष विकास के लिए बनाया गया है।
- **प्रशासनिक समीक्षा:** वर्तमान सरकार ने नए जिलों की समीक्षा के लिए कमेटी गठित की है, लेकिन जब तक कोई नई अधिसूचना नहीं आती, आधिकारिक तौर पर 50 जिले और 10 संभाग ही मान्य हैं।